13 सीढ़ी | By Ginny Kaur

एक दो तीन चार पांच छे सात
आठ नौ दस ग्यारह बारह तेरह
तेरह सीढ़ी चढ़के मैं पाने प्यार
आया श्याम तेरे दरबार

पहली सीढ़ी पे जो रखा कदम
खुशियां मिली इतनी भूल गए गम
दूजी सीढ़ी तेरा करते गुणगान
दिल में बसाये हुए तेरा ध्यान
तीजी सीढ़ी लगाईं जय जयकार
आया श्याम तेरे दरबार
तेरह सीढ़ी चढ़के मैं पाने प्यार
आया श्याम तेरे दरबार

चौथी सीढ़ी पे जैसे ही बढे
अरमान दिल के मचलने लगे
जब पांचवी सीढ़ी मैंने चढ़ी
बेचैनियां मिलने की बढ़ी
छथि सीढ़ी हुआ दिल ये बेकरार
आया श्याम तेरे दरबार
तेरह सीढ़ी चढ़के मैं पाने प्यार
आया श्याम तेरे दरबार

सातवीं सीढ़ी से बंधी ऐसी डोर
ऐसा लगा खींचे ये अपनी और
आठवीं सीढ़ी चढ़ते चेहरा खिला
सब कुछ लगा जैसे मुझको मिला
नवी सीढ़ी दसवीं सीढ़ी किया पार
आया श्याम तेरे दरबार
तेरह सीढ़ी चढ़के मैं पाने प्यार
आया श्याम तेरे दरबार

कुंदन चढ़ा जब ये सीढ़ी ग्यारह
आँखों को नज़ारा दिखा प्यारा प्यारा
बारह सीढ़ी का क्या वर्णन करू
पहुंचा था जब बाबा के रूबरू
तेरह सीढ़ी चढ़ के दिल गया हार
आया श्याम तेरे दरबार
तेरह सीढ़ी चढ़के मैं पाने प्यार
आया श्याम तेरे दरबार

https://bhaktivandana.com/lyrics/13-%e0%a4%b8%e0%a5%80%e0%a4%a2%e0%a4%bc%e0%a5%80-by-ginny-kaur/